

S.D.E.

S.Y.B.A. (2008 COURSE) : WINTER - 2017

SUBJECT : ECONOMICS (G -2)

Day : Monday
Date: 06/11/2017

Time: 11.00 AM TO 02.00 PM
Max Marks. 80

W-2017-3903

N.B.

- 1) All questions are **COMPULSORY**.
- 2) Figures to the right indicate **FULL** marks.
- 3) Both the sections to be written on **SAME** answer sheets.

SECTION – I

- Q.1** Answer any **TWO** of the following: (16)
- a) Explain the evolution of Central Bank of India.
 - b) What are the achievements of Nationalized Banks?
 - c) Explain the Quantity Theory of Money.
 - d) Discuss on the money and near money.
- Q.2** Write short notes on any **FOUR** of the following : (16)
- a) Paper Currency System
 - b) Capitalist Economy
 - c) Cash Balance Approach
 - d) Phillip's Curve
 - e) Public Sector Banks
 - f) Qualitative Credit Control

SECTION – II

- Q.3** Answer any **TWO** of the following: (16)
- a) Explain the causes of deficit in the budget of India.
 - b) What are the effects of public debt?
 - c) State the characteristics of a good tax system.
 - d) Discuss on the 'Ability to Pay Approach of Taxation'.
- Q.4** Answer any **TWO** of the following: (16)
- a) Explain the canons and effects of public expenditure.
 - b) Explain the classification of public expenditure.
 - c) Distinction between private and public goods.
 - d) Explain the Modern Approach regarding Governments Intervention.
- Q.5** Write short notes on any **FOUR** of the following : (16)
- a) Private Finance
 - b) Scope of Public Finance
 - c) Classification of Taxes
 - d) Taxable Capacity
 - e) External Sources of Public Borrowing
 - f) Surplus Budget

* * *

सूचना:

- १) सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.
- २) उजवीकडील अंक प्रश्नांच्या गुणांचा निर्देश करतात.
- ३) दोन्ही विभाग एकाच उत्तरपत्रिकेत लिहावेत.

विभाग-१

- प्र.१ खालीलपैकी कोणतेही दोन प्रश्नांची उत्तरे लिहा. (१६)
- अ) भारतात मध्यवर्ती बँकेची उत्क्रांती स्पष्ट करा.
 - ब) राष्ट्रीयकृत बँकेचे यश कोणते?
 - क) चलनसंख्यामान सिद्धांत स्पष्ट करा.
 - ड) पैसा आणि जवळ पैश्यावर चर्चा करा.
- प्र.२ टीपा लिहा (कोणत्याही चार) (१६)
- अ) कागदी चलन व्यवस्था
 - ब) भांडवलशाही अर्थव्यवस्था
 - क) रोख शिल्लक दृष्टिकोन
 - ड) फिलिप्स वक्र
 - इ) सार्वजनिक क्षेत्रातील बँका
 - फ) गुणात्मक पत नियंत्रण

विभाग-२

- प्र.३ खालीलपैकी कोणतेही दोन प्रश्नांची उत्तरे लिहा. (१६)
- अ) भारतातील तुटीच्या अर्थसंकल्पाची कारणे स्पष्ट करा.
 - ब) सार्वजनिक कर्जाचे परिणाम कोणते?
 - क) चांगल्या कर प्रणालीची वैशिष्ट्ये सांगा.
 - ड) 'करदेय क्षमता दृष्टिकोन' यावर चर्चा करा.
- प्र.४ खालीलपैकी कोणतेही दोन प्रश्नांची उत्तरे लिहा. (१६)
- अ) सार्वजनिक खर्चाचे तत्वे आणि परिणाम स्पष्ट करा.
 - ब) सार्वजनिक खर्चाचे वर्गीकरण स्पष्ट करा.
 - क) खाजगी आणि सार्वजनिक वस्तूमधील फरक स्पष्ट करा.
 - ड) शासनाच्या हस्तक्षेपासंबंधी आधुनिक दृष्टिकोन स्पष्ट करा.
- प्र.५ टीपा लिहा (कोणत्याही चार) (१६)
- अ) खाजगी वित्त
 - ब) सार्वजनिक वित्ताची व्याप्ती
 - क) करांचे वर्गीकरण
 - ड) करदेय क्षमता
 - इ) सार्वजनिक कर्जाचे बाह्य स्रोत
 - फ) अधिकाऱ्याचे बजेट

सूचना:

- १) सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- २) दाहिने दिए हुए अंक प्रश्नोंका गुण दर्शाते है।
- ३) दोनो विभाग एकही उत्तरपत्रिकामें लिखिए।

विभाग-१

- प्र.१ निम्नलिखित प्रश्नोमेंसे कोई भी दो का उत्तर लिखिए। (१६)
- अ) भारत में सेंट्रल बैंक की उत्क्रांती स्पष्ट कीजिए।
 - ब) राष्ट्रीयकृत बैंकोंकी उपलब्धियां कौनसी है?
 - क) मुद्रा का संख्या परिमाण सिध्दांत स्पष्ट कीजिए।
 - ड) मुद्रा और पास मुद्रोपर चर्चा कीजिए।
- प्र.२ टिपणी लिखिए। (कोई भी चार) (१६)
- अ) कागजी मुद्रा प्रणाली
 - ब) पुँजीवादी अर्थव्यवस्था
 - क) नगद शेष दृष्टिकोण
 - ड) फिलिप्स वक्र
 - इ) सार्वजनिक क्षेत्रकी बैंकाएं
 - फ) गुणात्मक साख नियंत्रण

विभाग-२

- प्र.३ निम्नलिखित प्रश्नोमेंसे कोई भी दो का उत्तर लिखिए। (१६)
- अ) भारत में घाटे बजेट के कारण स्पष्ट कीजिए।
 - ब) सार्वजनिक ऋण के प्रभाव कौनसे है?
 - क) आच्छी कर प्रणालीकी विशेषताए स्पष्ट कीजिए।
 - ड) करदेय क्षमता दृष्टिकोण पर चर्चा कीजिए।
- प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नोमेंसे कोई भी दो का उत्तर लिखिए। (१६)
- अ) सार्वजनिक व्यय के सिध्दांत और प्रभाव स्पष्ट कीजिए।
 - ब) सार्वजनिक व्यय का वर्गीकरण स्पष्ट कीजिए।
 - क) निजी और सार्वजनिक वस्तु में अंतर किजिए।
 - ड) शासन हस्तक्षेप संबंध में आधुनिक दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।
- प्र.५ टिपणी लिखिए। (कोई भी चार) (१६)
- अ) निजी वित्त
 - ब) सार्वजनिक वित्त का विस्तार
 - क) करोंका वर्गीकरण
 - ड) करदेय क्षमता
 - इ) सार्वजनिक ऋण के बाह्य स्रोत
 - फ) आधिशेष बजेट